Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा – 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार – 1

अध्याय – 3 : निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम

भाग – 2

वैधानिक निगम

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. विभागीय उपक्रम
2. वैधानिक निगम
3. सरकारी कंपनी
4. सार्वजनिक क्षेत्र की बदलती भूमिका
5. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ/भूमंडलीय उपक्रम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वैधानिक निगम (Statutory Corporation)

- वैधानिक निगम वे सार्वजनिक उद्यम हैं जिनकी स्थापना संसद के विशेष अधिनियम के द्वारा की जाती है।
- ये अधिनियम ऐसे उद्यमों के अधिकार एवं कार्य, इनके कर्मचारियों से संबंधित नियम एवं कानून तथा सरकार के विभिन्न विभागों से इनके संबंधों को परिभाषित करते हैं।
- जैसे – भारतीय जीवन बीमा निगम, SBI, RBI

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वैधानिक निगम के लक्षण/विशेषताएँ

- इनकी स्थापना संसद द्वारा पारित अधिनियम द्वारा होती है।
- ये पूर्णतया सरकार के स्वामित्व में होते हैं। वित्त के संबंध में अंतिम उत्तरदायित्व सरकार का होता है तथा वही लाभों का विनियोजन भी करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- ये निगमित संगठन हैं, अतः इन पर मुकदमा किया जा सकता है तथा ये दूसरों पर मुकदमा कर सकते हैं।
- वित्त की आवश्यकता को ये स्वयं पूरा करते है।
- सरकारी विभागों के लिए लेखांकन एवं अंकेक्षण की प्रक्रिया लागू नहीं होती।
- इन उपक्रमों के कर्मचारी राज्य अथवा नागरिक सेवा के अधिकारी नहीं होते तथा ये सरकारी सेवा शर्तों, नियम एवं कानूनों से शासित नहीं होते।
- इनकी सेवा शर्ते अधिनियम में ही दी हुई होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वैधानिक निगम के लाभ

- कार्य संचालन के लिए पूर्ण रूप से स्वतंत्र।
- धन की व्यवस्था केंद्रीय बजट में नहीं होती।
- ये स्वायत्त संगठन होते हैं इसीलिए अधिनियम द्वारा प्रदत्त अधिकारों की परिधि में रहकर ये स्वयं अपनी नीतियों एवं प्रक्रियाओं का निर्धारण करते हैं।
- वैधानिक निगम आर्थिक विकास का एक मूल्यवान उपकरण।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वैधानिक निगम की सीमाएँ

- वास्तव में इनके कार्य परिचालन में ऊपर वर्णित लचीलापन नहीं होता।
- इनके प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णयों एवं कार्यों में जिनमें भारी धन व्यय होता है, सदा सरकारी एवं राजनीतिक हस्तक्षेप होता है।
- सरकार निगमों के बोर्ड में सलाहकार नियुक्त करती रही है। इस कारण अनुबंधों एवं अन्य निर्णयों में निगम की स्वतंत्रता सीमित।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ जहाँ कहीं भी जनता से लेन-देन की आवश्यकता होती है, वहाँ अनियंत्रित भ्रष्टाचार व्याप्त है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

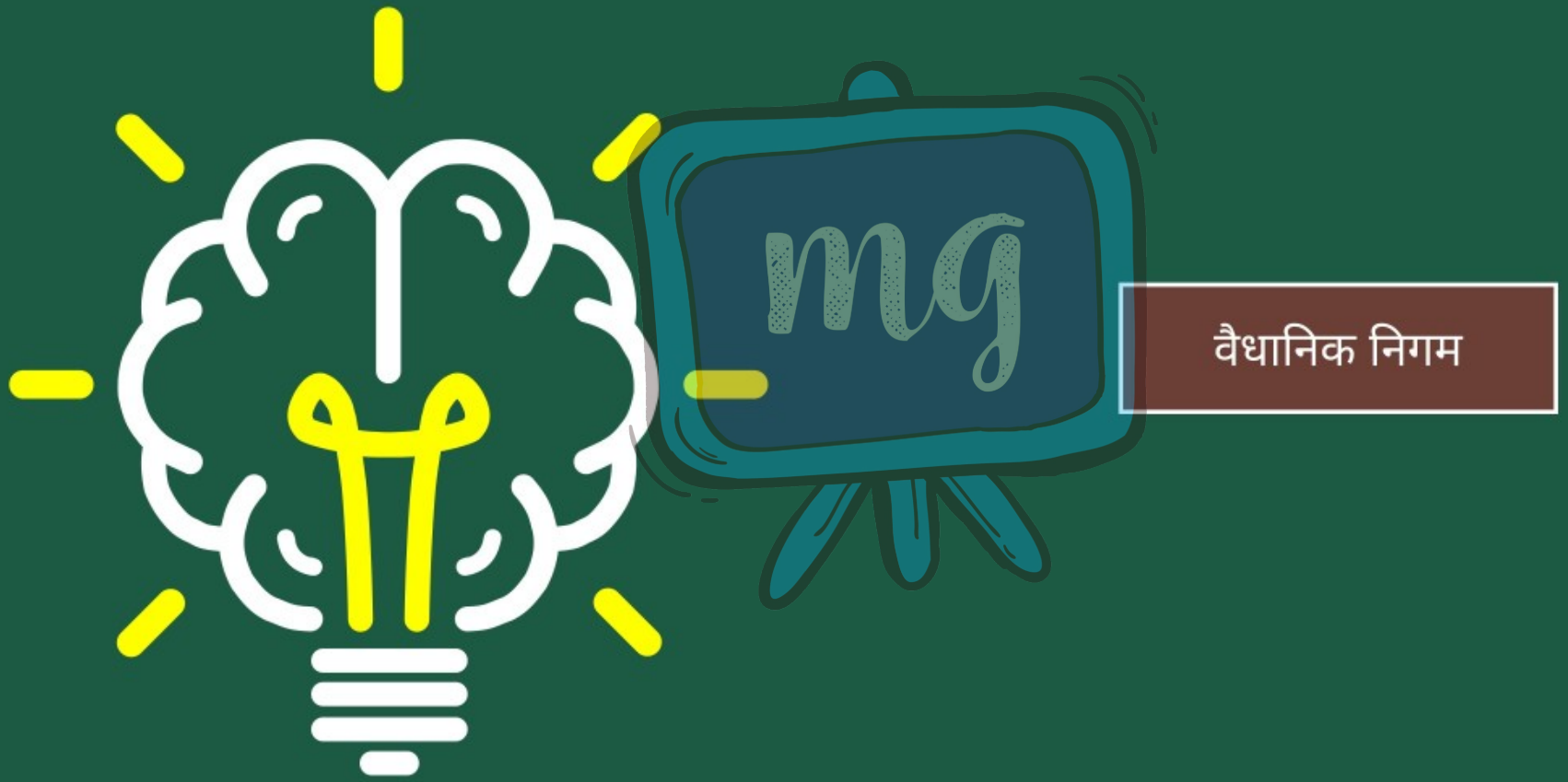

वैधानिक निगम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 भारतीय जीवन बीमा निगम उदाहरण है-

- अ विभागीय उपक्रम
- ब वैधानिक निगम (ब)
- स सरकारी कंपनी
- द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missionगyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 वैधानिक निगम की स्थापना संसद के विशेष अधिनियम के द्वारा की जाती है।

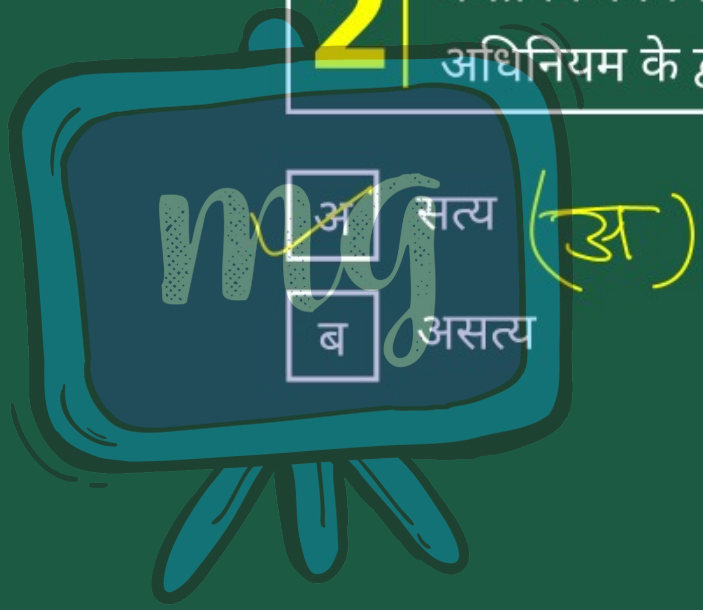

मूल्यांकन (Assessment)



3 वैधानिक निगम की विशेषताएँ है–

अ स्थापना अधिनियम से होती है

ब निगमित संगठन है

स सेवा शर्ते अधिनियम में निर्धारित

द उपर्युक्त सभी